सांध्य दैनिक

4PM

जब आप सांस लेते हैं, आप भगवान से शक्ति ले रहे होते हैं। जब आप सांस छोड़ते हैं तो ये उस सेवा को दर्शाता है जो आप दुनिया को दे रहे हैं।
-बीकेएस आयंगर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 8 • अंकः 163 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, मंगलवार, 19 जुलाई, 2022

अग्निवीर बनाना है या... 7 | राजभर का नया पैंतरा, सपा से गठबंधन... 3 | भाजपा का दावा, विपक्षी दलों के... 2

महंगाई पर संसद गर्म, विपक्ष का हंगामा

दोनों सदनों में विपक्षी दलों ने सरकार को घेरा, लहरायीं तख्तियां, नारेबाजी

» महंगाई के खिलाफ लड़ाई लड़ने का ऐलान, हंगामे के कारण सदन रहे बाधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मानसून सत्र के दूसरे दिन भी संसद गर्म रही। बढ़ती महंगाई को लेकर विपक्ष ने संसद के दोनों सदनों में जोरदार हंगामा किया। विपक्षी दलों के सांसदों ने तख्तियां लहरायीं और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हंगामे को बढ़ता देख लोक सभा और राज्य सभा की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक स्थगित करना पड़ा।

संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन भी विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। विपक्षी दलों ने महंगाई और मूल्य वृद्धि को लेकर सरकार पर हमला बोला। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कुछ आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, महंगाई और जीएसटी दर में बढ़ोतरी के विरोध में विपक्षी दल एक साथ आए हैं। हम इसके खिलाफ लड़ेंगे। वहीं कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने सेना में भर्ती योजना अग्निपथ को लेकर राज्य सभा में व्यावसायिक नोटिस दिया। डीएमके के राज्य सभा सांसद तिरुचि शिवा ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत में वृद्धि के कारण आवश्यक वस्तुओं की कीमत में वृद्धि के मुद्दे पर नियम 267 के तहत व्यावसायिक नोटिस दिया है। राजद सांसद मनोज झा ने अग्निपथ योजना के निहितार्थ और आरआरबी उम्मीदवारों को अवसरों से वंचित करने पर चर्चा करने के लिए नोटिस दिया। इससे पहले मानसून सत्र के पहले दिन भी दोनों सदनों लोक सभा और राज्य सभा में विपक्षी दलों ने हंगामा किया था। विपक्ष ने जीएसटी दरों में वृद्धि पर सरकार को आड़े हाथ लिया था।

विपक्षी दलों ने किया प्रदर्शन

सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी दलों ने संसद के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए। वहीं महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने टीआरएस सांसदों ने भी प्रदर्शन किया।

रुपये में रिकॉर्ड गिरावट कांग्रेस ने कसा तंज

नई दिल्ली। रुपया आज पहली बार 80 रुपये प्रति डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। रुपये में पिछले एक वर्ष के दौरान लगभग सात प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले कारोबारी दिन की तुलना में रुपया 79.9775 से गिरकर आज शुरूआती बाजार में 80.0175 रुपये प्रति डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। बाजार के जानकारों के अनुसार रुपया आज 79.85 से 80.15 के रेंज के बीच कारोबार कर सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि रुपये की कीमतों में दिसंबर 2014 के बाद से अब तक अमेरिकी डॉलर की तुलना में 25 प्रतिशत तक की गिरावट आ चुकी है। वित्त मंत्री ने यह भी कहा था कि हाल के दिनों में रुपये की गिरावट का कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतें और रूस व यूक्रेन के बीच बीते फरवरी महीने से चल रही लड़ाई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि रुपया 80 रुपये को पार कर गया है। मोदी जी ही हैं जिन्होंने 2014 में इसे चुनावी मुद्दा बनाया था, वे आते ही रुपये को मजबूत करने जा रहे थे क्योंकि यह एक कमजोर सरकार को दर्शाता है।

मार्गरेट अल्वा ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए किया नामांकन

» राहुल, पवार समेत कई नेता रहे मौजूद

» एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ से होगा मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष की उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा ने आज अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, शरद पवार, शिवसेना नेता संजय राउत एवं अन्य विपक्षी दलों के नेता मौजूद थे। मार्गरेट अल्वा उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की ओर से साझा उम्मीदवार घोषित की गई हैं। एनसीपी चीफ शरद पवार ने इनके नाम का ऐलान किया था। उनका मुकाबला एनडीए के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार जगदीप धनखड़ से होगा।

उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की साझा उम्मीदवार घोषित की गईं मार्गरेट अल्वा कांग्रेस नेताओं की उस पीढ़ी से आती हैं जो लगातार गांधी परिवार की वफादार बनी रहीं। 1974 से 1998 तक पार्टी ने उन्हें लगातार राज्य सभा भेजा। इसके बाद 1999 से 2004 तक वह लोक सभा की सदस्य रहीं। 2008 में पहली बार तात्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से उनका मतभेद हुआ जिसके बाद उन्होंने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। कुछ समय बाद ही उन्होंने वापसी की। उनके पुत्र निखिल को राहुल गांधी का करीबी माना जाता है।

'सुप्रीम' फैसला: अब अग्निपथ योजना पर सुनवाई करेगा दिल्ली हाईकोर्ट

» सुप्रीम कोर्ट ने योजना से जुड़ी सभी याचिकाएं की ट्रांसफर

» जल्द सुनवाई और मामले के निपटारे का दिया निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सेना की नई भर्ती योजना अग्निपथ को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने अग्निपथ योजना से जुड़ी सभी याचिकाओं को दिल्ली हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया है। कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट से कहा कि अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जल्द सुनवाई की जाए।

कोर्ट ने रजिस्ट्रार जनरल को इन मामलों को दिल्ली हाईकोर्ट में ले जाने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एएस बोपन्ना योजना को चुनौती दे रहीं याचिकाओं पर सुनवाई की। शीर्ष न्यायालय ने केरल, पंजाब और हरियाणा, पटना और उत्तराखंड उच्च न्यायालयों से भी अग्निपथ के खिलाफ दायर जनहित याचिकाओं को दिल्ली हाईकोर्ट लाने के लिए कहा है। अग्निपथ योजना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में तीन याचिकाएं दाखिल की गई थीं। वहीं केंद्र ने 21 जून को सुप्रीम कोर्ट में एक कैविएट अर्जी दाखिल कर रक्षा बलों के लिए अग्निपथ भर्ती योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सरकार का पक्ष भी सुनने की मांग की है।

क्या है योजना

अग्निपथ योजना के तहत 17.5 वर्ष से 21 वर्ष तक के उम्मीदवार इसमें शामिल हो सकेंगे। हालांकि, इस साल के लिए आयु सीमा बढ़ाकर 23 साल कर दी गई है। यह भर्ती चार सालों के लिए होगी। इसके बाद परफॉर्मेंस के आधार पर 25 फीसदी कर्मियों को सेना के रेगुलर कैडर के लिए नामांकित किया जाएगा।

भाजपा का दावा, विपक्षी दलों के विधायकों ने भी द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में किया मतदान

» एनडीए के सभी विधायकों का मत द्रौपदी मुर्मू को मिला

» राष्ट्रपति चुनाव में यूपी में 396 विधायकों ने डाले वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रपति चुनाव में समाजवादी पार्टी के विधायकों की क्रॉस वोटिंग के बीच राजधानी में 403 में से 396 विधायकों ने मतदान किया। भाजपा के 255 में से 253, अपना दल (एस) के 12 में से 12, निषाद पार्टी के छह विधायकों सहित एनडीए के सभी 270 विधायकों ने मतदान किया। सपा के 111 में से 109 विधायकों ने मतदान किया। रालोद के आठ में से सात, सुभासपा के छह में से पांच, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के दो, कांग्रेस के दो और बसपा के एक मात्र विधायक ने मतदान किया।

जेल में बंद कैराना से सपा विधायक नाहिद हसन और एक मामले में फरार चल रहे सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी ने मतदान नहीं किया। राष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए की ओर से द्रौपदी मुर्मू और यूपीए की ओर से यशवंत सिन्हा प्रत्याशी है। सोमवार को मतदान का समय शुरू होते ही सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानभवन स्थित मतदान कक्ष तिलक हॉल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले मतदान किया। मुख्यमंत्री के बाद संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना और उनके बाद जेवर से भाजपा विधायक धीरेंद्र सिंह ने मतदान किया। इसके बाद मतदान करने के लिए विधायकों की लंबी कतार लग गई। मतदान के अंतिम समय शाम पांच बजे तक राजधानी में 403 में से 396 विधायकों ने मताधिकार का उपयोग किया। एक विधायक ने केरल और चार विधायकों ने संसद भवन में मतदान करने की अनुमति ली थी। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि एनडीए के सभी विधायकों का मत द्रौपदी मुर्मू को मिला है। उन्होंने दावा किया कि एक आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाने के लिए विपक्षी दलों के विधायकों ने अंतरात्मा की आवाज पर राजनीति की दीवार तोड़कर द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान किया है। राष्ट्रपति चुनाव में मतदान के बाद मतदान पेटियों को भारी सुरक्षा के बीच हवाईजहाज से दिल्ली के लिए रवाना किया गया।

सपा विधायक शिवपाल यादव ने एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के समर्थन में मतदान किया। वहीं बरेली में पेट्रोल पंप पर बुलडोजर चलने के कारण चर्चा में आए सपा विधायक सहजिल इस्लाम की ओर से भी क्रॉस वोट करने की आशंका जताई है। सहजिल मतदान से पहले और मतदान के बाद भी द्रौपदी मुर्मू समर्थक शिवपाल यादव के साथ नजर आए थे। वहीं पिछली सरकार में मंत्री सहित करीब आधा दर्जन से अधिक सपा विधायकों की ओर से क्रॉस वोटिंग करने की आशंका जताई जा रही है। सरकार के मंत्रियों और भाजपा के नेताओं ने सपा के करीब एक दर्जन से अधिक विधायकों से क्रॉस वोटिंग के लिए संपर्क किया था। पार्टी सूत्रों का कहना है कि करीब आधा दर्जन से अधिक विधायकों को वह तोड़ने में सफल रहे हैं।

सपा में हुई क्रॉस वोटिंग

एक विधायक ने केरल चार ने संसद भवन में मतदान किया

सेवापुरी से अपना दल एस के विधायक नीलरतन पटेल ने केरल में मतदान किया। वहीं भाजपा विधायक नकुड़ से भाजपा मुकेश चौधरी, सदाबाद से रालोद विधायक प्रदीप कुमार सिंह, चरखारी से भाजपा विधायक ब्रजभूषण राजपूत और कुंदरकी से सपा विधायक जियाउर्रहमान ने संसद भवन में मतदान किया। सपा विधायक आजम खान ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में यदि कांटे की लड़ाई होती तो विपक्ष में एकजुटता होती। उन्होंने कहा कि सच बोलने के लिए हिम्मत चाहिए इसलिए भाजपा में सच नहीं बोला जाता है। उन्होंने कहा कि सत्तारुढ़ दल में भी सभी लोग संतुष्ट नहीं होंगे, लेकिन हालात ऐसे हैं कि वह असंतुष्ट भी होंगे तो जाहिर नहीं करेंगे। राजभर के मुद्दे पर आजम ने कहा कि उनकी ओमप्रकाश से कोई नाराजगी नहीं है लेकिन किसे साथ रहना है किसे नहीं रहना है इस पर कोई जबरदस्ती नहीं कर सकते है।

पानी बचाने के लिए पसीना बहाना है : स्वतंत्र देव सिंह

» नमामि गंगे की मॉनिटरिंग पर जलशक्ति मंत्री सख्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने साफ कर दिया है कि पानी की क्वॉलिटी जांचने वाले संगठनों की ढील बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदेश के राजस्व गांव में पांच-पांच महिलाओं को दी जा रही पानी की गुणवत्ता जांच की ट्रेनिंग हर हाल में 30 जुलाई तक पूरी कर ली जाए। ट्रेनिंग देने वाले संगठनों की मॉनीटरिंग कल से और सख्त होगी।

स्वतंत्र देव सिंह ने नामामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग में पानी की जांच का प्रशिक्षण देने वाले संगठनों के प्रतिनिधियों की समीक्षा बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे थे। बैठक में जलशक्ति मंत्री ने सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से कई सवाल किए।

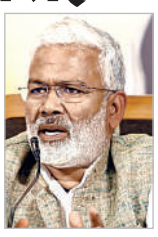

उन्होंने संगठनों से पूछा कि वे ट्रेनिंग कैसे कराते हैं? कितने-कितने बैच में ट्रेनिंग दी जाती है? विषय क्या रहते हैं? विभाग की ओर से आपकी समीक्षा होती है या नहीं? जलशक्ति मंत्री ने बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों से कहा कि आपको पसीना बहाना है, अगर पसीना नहीं बहा सकते हैं तो पहले ही बता दीजिए।

भ्रष्टाचार मामले में हटाए गए जितिन प्रसाद के ओएसडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीडब्ल्यूडी में हुए स्थानांतरण घोटाले पर मुख्यमंत्री योगी के कड़े रुख के बाद दोषी अधिकारियों पर गाज गिरनी शुरू हो गई है। पहली गाज मंत्री जितिन प्रसाद के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) अनिल कुमार पांडेय पर गिरी है। सचिवालय प्रशासन विभाग ने सोमवार को उन्हें कार्यमुक्त करते हुए उनके मूल विभाग में वापस भेजने के आदेश जारी कर दिए हैं। साथ ही पांडेय के खिलाफ सतर्कता जांच और अनुशासनिक कार्रवाई की सिफारिश भी की गई है। पांडेय पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप है। केंद्रीय उपभोक्ता मामले व खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में अवर सचिव रहे पांडेय को प्रतिनियुक्ति पर प्रदेश सरकार में तैनात किया गया था।

किस नियम के तहत खत्म की नेता प्रतिपक्ष की मान्यता : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने विधान परिषद के सभापति व प्रमुख सचिव से पूछा है कि किस नियम के तहत विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष के पद की मान्यता समाप्त की गई? न्यायमूर्ति एआर मसूदी व न्यायमूर्ति एनके जौहरी की खंडपीठ ने यह सवाल विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष रहे लाल बिहारी यादव की याचिका पर किए।

यादव का कहना है कि कानूनी तौर पर उन्हें इस पद से नहीं हटाया जा सकता। लेकिन परिषद में सपा के सदस्यों की संख्या 10 से कम होने का हवाला देकर नेता विरोधी दल की मान्यता समाप्त कर दी थी। याची का कहना है कि वह 2020

से विधान परिषद के निर्वाचित सदस्य हैं और उन्हें इस वर्ष 27 मई को सदन में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी गई थी। याची ने विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता वापस लेने वाली अधिसूचना को रद्द किए जाने या उस पर रोक लगाए जाने का आग्रह किया है। बीती सात जुलाई को विधान परिषद के प्रमुख सचिव कार्यालय ने यादव की मान्यता रद्द करने के संबंध में अधिसूचना जारी की थी।

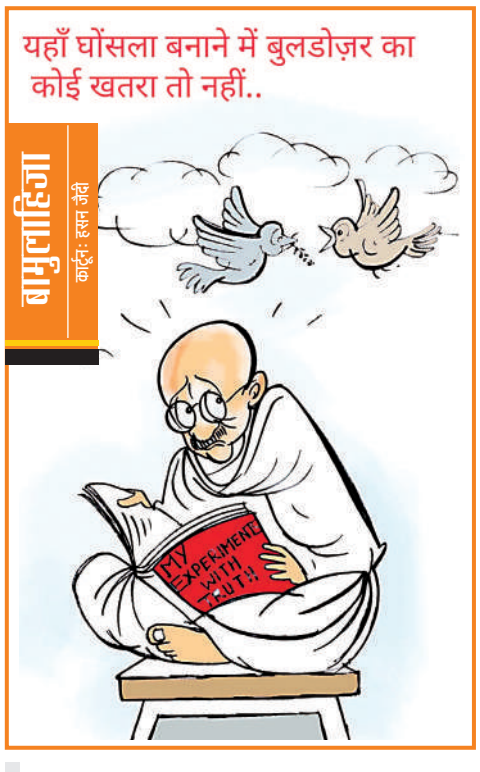

एनआईए की विशेष अदालत में पेश हुए मंत्री असीम अरुण

» हत्या व आतंकी वारदात मामले में दर्ज हुए बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हत्या व आतंकी गतिविधियों के एक मामले में एनआईए/एटीएस की विशेष अदालत में प्रदेश सरकार के मंत्री असीम अरुण जिरह के लिए पेश हुए। यह मामला वर्ष 2017 का है। इस दौरान असीम अरुण एटीएस में पुलिस महानिरीक्षक के पद पर तैनात थे। इस मामले में अभियुक्त आतिफ मुजफ्फर, नसीम व फैसल निरुद्ध हैं। इस मामले में असीम अरुण की गवाही दर्ज हो चुकी है। सोमवार को उनसे बचाव पक्ष की तरफ से जिरह की गई, जो अभी जारी है।

विशेष जज अनुरोध मिश्रा ने शेष जिरह के लिए 19 जुलाई की तारीख तय की है। उस रोज सुबह 10 बजे से जिरह शुरू होगी।

एनआईए के विशेष लोक अभियोजक कौशल किशोर शर्मा के मुताबिक 24 अक्टूबर, 2016 को कानपुर में जूनियर हाईस्कूल के प्राचार्य रमेश बाबू शुक्ला की हत्या हुई थी। इस मामले की एफआईआर उनके बेटे अक्षय शुक्ला ने थाना चकेरी मे अज्ञात में दर्ज कराई थी। इधर, आठ मार्च, 2017 को लखनऊ में सैफुल्लाह का एन्काउंटर हुआ। सैफुल्लाह के घर से आठ रिवाल्वर व बुलेट बरामद हुए थे। इस मामले की एफआईआर असीम अरुण ने थाना एटीएस में दर्ज कराई थी। बाद में विवेचना एनआईए को सौंप दी गई।

राजभर का नया पैंतरा, सपा से गठबंधन टूटा तो सुभासपा का अगला ठिकाना होगी बसपा

- राजभर ने दिया संकेत सपा से तलाक का कर रहे इंतजार
- बैठकों में नहीं बुलाए जाने से सपा प्रमुख पर हैं हमलावर
- भाजपा से नजदीकियों की चर्चा पर विराम लगाने को चला नया दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव परिणाम के बाद से सपा-सुभासपा में लगातार दूरी बढ़ रही है। सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर न केवल सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर हमलावर हैं बल्कि राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू का समर्थन कर सपा को बड़ा झटका दिया है। माना जा रहा है कि सपा और सुभासपा के बीच अब नाम का गठबंधन रह गया है और दोनों ही दल गठबंधन तोड़ने के लिए खुद पहल करते नहीं दिख रहे हैं। इसी बीच राजभर ने संकेत दिया है कि यदि सपा के साथ उनका गठबंधन टूटता है तो वे बसपा के साथ जा सकते हैं।

प्रदेश की राजनीति का चर्चित चेहरा बन चुके ओम प्रकाश राजभर लगातार पैंतरे बदल रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव से नाराज चल रहे राजभर को समाजवादी पार्टी की तरफ से तलाक का इंतजार है। योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे ओम प्रकाश राजभर ने संकेत दे दिया है कि अगर समाजवादी पार्टी से उनकी पार्टी का गठबंधन टूटता है तो वह बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन कर सकते हैं। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने बयान दिया है कि समाजवादी पार्टी के साथ हमारा गठबंधन टूटने के बाद से हम बहुजन समाज पार्टी के साथ जा सकते हैं। बहुजन समाज पार्टी से अपना राजनीतिक सफर शुरू करने वाले राजभर ने साफ कहा है कि हम समाजवादी पार्टी के साथ अपनी तरफ से गठबंधन नहीं तोड़ेंगे। वह हमको तलाक दे दें तो हमको मंजूर है। माना जा रहा है कि भाजपा के साथ जाने को लेकर चल रही सुर्खियों को विराम देने के लिए ओम प्रकाश राजभर ने नया पैंतरा चला है। ओम प्रकाश राजभर बीते दिनों विपक्ष के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा की मीटिंग में अखिलेश यादव की तरफ से निमंत्रण न मिलने पर नाराज चल रहे हैं। वह इन दिनों लगातार अखिलेश यादव पर तीखे प्रहार कर रहे हैं। लोक सभा उपचुनाव में आजमगढ़ और रामपुर सीट हारने पर अखिलेश यादव को एसी से निकलकर प्रचार करने की सलाह देने पर राजभर ने कहा कि बिल्कुल सलाह देनी चाहिए। हम हमेशा सच बोलते हैं और सच के सिवाए कुछ नहीं बोलते हैं। हम अपने बयान पर कायम हैं लेकिन मेरा बोलना कुछ लोगों को बुरा लगा। लोक सभा चुनाव के बाद बता दूंगा कि यह बयान सही था या गलत। बता दें कि राजभर पिछले कुछ दिनों से अखिलेश यादव से नाराज चल रहे हैं। हाल ही में राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के लखनऊ आने के बाद दोनों दलों के बीच दूरियां खुलकर सामने आ गई। अखिलेश ने इस मीटिंग में ओपी राजभर और प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल यादव को नहीं बुलाया, जिसके बाद दोनों ने एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का ऐलान कर दिया था।

सुभासपा में भी बगावत

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी में भी बगावत हो गयी है। पार्टी के उपाध्यक्ष शशि प्रताप सिंह ने ओमप्रकाश राजभर पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनका साथ छोड़ दिया है। शशि प्रताप सिंह ने राजभर पर कई आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा है कि राजभर एक झूठे नेता हैं और वे सिर्फ अपने परिवार को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

लड़ा था सपा के साथ विधान सभा चुनाव

2022 के विधान सभा चुनाव में ओपी राजभर ने अखिलेश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर भाजपा को चुनौती दी। जिस सख्त अंदाज में राजभर ने चुनाव प्रचार में भाजपा को चुनौती दी, उतने आक्रामक मुख्य दलों के बड़े नेता भी नहीं दिखे थे। उनकी पार्टी ने पूर्वांचल में सही प्रदर्शन भी किया लेकिन सपा गठबंधन 403 सीटों वाली यूपी विधान सभा में महज 125 सीटों तक ही सिमट कर रह गया। राजभर ने 19 सीटों पर लड़कर 6 पर जीत दर्ज की थी।

भाजपा नहीं मुर्मू का किया समर्थन

राष्ट्रपति पद के चुनाव में एनडीए की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में वोट करने के फैसले पर राजभर ने कहा कि हम भारतीय जनता पार्टी या फिर एनडीए का नहीं बल्कि द्रोपदी मुर्मू का समर्थन कर रहे हैं। द्रौपदी मुर्मू एक तो महिला हैं और ऊपर से अनुसूचित जनजाति वर्ग से आती है। हम इसी कारण उनको अपना समर्थन दे रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने हमसे द्रौपदी मुर्मू के लिए समर्थन मांगा है इसलिए हम उनके साथ हैं।

इसलिए आयी तल्खी

राज्यसभा की तीन सीटों में से सपा ने एक आरएलडी को दे दी तो एक अपने पास रखी जबकि एक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उतरे कपिल सिब्बल को सपोर्ट दे दिया। इसके बाद जब नंबर एमएलसी चुनाव का आया तो इसमें राजभर को अपने बेटे के लिए उम्मीद थी। वे अपने बेटे अरविंद के लिए एक सीट मांग रहे थे लेकिन अखिलेश ने ऐसा नहीं किया जबकि दूसरी तरफ, भाजपा से आए स्वामी प्रसाद मौर्य को चुनाव में हार मिलने के बावजूद एमएलसी बना दिया गया। इस घटनाक्रम ने ओपी राजभर को और मुखर कर दिया और वे सिर्फ सपा ही नहीं बल्कि सीधे अखिलेश यादव पर सवाल खड़े करने लगे। राजभर ने अखिलेश यादव के लिए यहां तक कह दिया कि जनता का समर्थन पाने के लिए उन्हें एयर कंडीशन रूम से बाहर आना पड़ेगा।

मास्टरों के ज्यादा छुट्टी लेने से योगी सरकार खफा, बनाई नई रणनीति

- अब छुट्टी का खेल नहीं खेल सकेंगे गुरुजी
- यूपी के परिषदीय स्कूलों में बदलेगी व्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरकारी स्कूलों में मास्टरों के ज्यादा छुट्टी लेने पर योगी सरकार ने नई रणनीति बनाई है। अब बेसिक स्कूलों के शिक्षक आकस्मिक छुट्टी लेने वाला खेल नहीं खेल सकेंगे, उन्हें स्कूल खुलने से पहले ही इसके लिए आवेदन करना होगा। स्कूल खुलने के बाद वे मानव संपदा पोर्टल पर आवेदन नहीं कर सकेंगे। इसके लिए महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद ने एनआईसी को पत्र भेजकर पोर्टल पर लीव मॉड्यूल में बदलाव करने को कहा है।

साथ ही अवकाश व उपस्थिति से जुड़े कई अन्य सुधार के प्रावधान भी शुरू करने को कहा है। अभी कुछ शिक्षक, कर्मचारी बिना अवकाश लिए गैरहाजिर हो जाते हैं या फिर देर से विद्यालय पहुंचते हैं। इस दौरान यदि अधिकारी की चेकिंग हो जाती है तो सूचना पाकर वह तुरंत पोर्टल पर छुट्टी भर देते हैं। इस पर रोक लगाने के लिए ही ये बदलाव किए जा रहे हैं। इससे शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक, कर्मचारी अब ऑनलाइन छुट्टी के आवेदन में मनमानी नहीं कर सकेंगे।

माध्यमिक शिक्षा विभाग से छात्र-छात्राओं का ब्योरा साझा करें अधिकारी

प्रदेश में कक्षा आठ उत्तीर्ण और कक्षा नौ में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं की निगरानी माध्यमिक व बेसिक शिक्षा विभाग मिलकर करेंगे। दोनों विभाग के अधिकारियों ने एकजुट होकर जिला विद्यालय निरीक्षक व बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किया है कि कक्षा आठ उत्तीर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं का ब्योरा व उनकी यूनीक आईडी साझा की जाए। अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला व प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा दीपक कुमार ने सभी डीआईआएस व बीएसए को संयुक्त हस्ताक्षर करके पत्र भेजा है इसमें कहा गया है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत छह से 14 साल तक के बच्चों का कक्षा एक से आठ तक में दाखिले की व्यवस्था की गई है। वहीं समग्र शिक्षा अभियान के तहत कक्षा नौ से 12 तक की शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

यह भी होगा बदलाव

अधिकारी पोर्टल पर यह भी देख सकेगा कि संबंधित विद्यालय में उस दिन कौन-कौन पूर्व से अवकाश पर है। ऐसे में उसे अवकाश मंजूर करने में आसानी होगी। अधिकारी को अवकाश निरस्त करने का कारण भी लिखना होगा। साथ ही स्वीकृत व फॉरवर्ड प्रकरणों के संलग्नकों को रिकॉर्ड के रूप में रखा जाएगा। इससे पता चल सकेगा कि शिक्षक या कर्मी ने पूर्व में किस चिकित्सकीय प्रमाण पत्र या कारण बताकर अवकाश लिया था।

ऐसे करना होगा आवेदन

जुलाई से सितंबर माह तक आकस्मिक अवकाश सुबह 8 बजे के बाद और अक्टूबर से 20 मई तक सुबह 9 बजे के बाद नहीं ले सकेंगे। साथ ही अवकाश स्वीकृति भी सुबह 5 से नौ बजे के बीच हो सकेगी। अभी प्रधानाध्यापक या खंड शिक्षा अधिकारी सुबह नौ बजे के बाद ही अवकाश मंजूर कर पाते हैं। ऐसे में स्कूल खुलने से पहले किसी के आकस्मिक अवकाश प्रस्ताव को अगर निरस्त करना हो तो नहीं किया जा पाता। छुट्टी देर से निरस्त करने पर शिक्षक या कर्मचारी सूचना मिलने के बाद देर से विद्यालय पहुंचते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जीएसटी, महंगाई और सरकार

जीएसटी परिषद ने विभिन्न उत्पादों पर जीएसटी दरों में बदलाव किया है। इसके मुताबिक अब पैकेज्ड एवं लेबल वाले दही, पनीर, लस्सी, शहद, अनाज, मांस व मछली खरीदने पर पांच फीसदी जीएसटी देना होगा। इसके कारण इन वस्तुओं के दामों में इजाफा हो गया है और पहले से महंगाई से जूझ रही जनता पर और बोझ बढ़ गया है।

आम आदमी को महंगाई का एक और झटका लगा है। जीएसटी परिषद ने विभिन्न उत्पादों पर जीएसटी दरों में बदलाव किया है। इसके मुताबिक अब पैकेज्ड एवं लेबल वाले दही, पनीर, लस्सी, शहद, अनाज, मांस व मछली खरीदने पर पांच फीसदी जीएसटी देना होगा। इसके कारण इन वस्तुओं के दामों में इजाफा हो गया है और पहले से महंगाई से जूझ रही जनता पर और बोझ बढ़ गया है। कोरोना काल में रोजगार की कमी से जूझ रही जनता के लिए यह किसी बड़ी मुसीबत से कम नहीं है। वहीं सरकार महंगाई पर नियंत्रण की जगह वस्तुओं के दामों में इजाफा करने पर जोर दे रही है। सवाल यह है कि क्या सरकार महंगाई पर लगाम लगाने में नाकाम हो चुकी है? वस्तुओं के बढ़ते दामों के बीच जीएसटी दरों में वृद्धि कर सरकार क्या संदेश देना चाहती है? क्या किसी तरह खजाने को भरने की नीति खतरनाक नहीं है? क्या अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती तेल की कीमतों और रूस-यूक्रेन युद्ध महंगाई की बड़ी वजह है? क्या बेरोजगारी से जूझ रही जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ाना उचित है? क्या लोगों की क्रय शक्ति को बढ़ाए बिना देश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार दिया जा सकता है? क्या देश आर्थिक मंदी की ओर बढ़ रहा है?

कोरोना ने देश की अर्थव्यवस्था को बेपटरी कर दिया है। महामारी के दौरान लंबे लॉकडाउन ने लाखों लोगों का रोजगार छीन लिया। रही सही कसर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते तेल के दामों और रूस-यूक्रेन युद्ध ने पूरी कर दी है। तेल के दामों में इजाफा होने का सीधा असर खाद्य पदार्थों समेत अन्य वस्तुओं के दामों पर पड़ा। रुपया भी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड स्तर पर गिर रहा है। एक डॉलर की कीमत करीब 80 रुपये के बराबर हो चुकी है। हालांकि वित्त मंत्री सीतारमण इसके लिए बढ़ती तेल कीमतों और रूस-यूक्रेन युद्ध को जिम्मेदार बता रही हैं। इसमें दो राय नहीं की तेल कीमतों में उछाल के कारण महंगाई बढ़ी है लेकिन जब देश की जनता महंगाई से जूझ रही है तब इसका समाधान करने की बजाय सरकार खाद्य पदार्थों पर पांच फीसदी जीएसटी लगाने की घोषणा कर रही है। इससे बाजार में मांग और आपूर्ति का असंतुलन पैदा हो जाएगा और अर्थव्यवस्था मुंह के बल आ जाएगी। बेरोजगारी के कारण लोगों की क्रय शक्ति में तेजी से गिरावट आयी है और वे जरूरी वस्तुएं भी खरीद नहीं पा रहे हैं। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह बाजार में वस्तुओं का मूल्य भी निर्धारित करे ताकि कंपनियां जीएसटी के साथ मनमाना मूल्य न वसूल सकें। साथ ही रोजगार के साधनों का विस्तार करना होगा। केवल सरकार की आय बढ़ाने की नहीं बल्कि जनता को महंगाई से राहत देने के लिए ठोस नीति अपनाने की जरूरत है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

किसान की समृद्धि से जुड़ा एमएसपी का सवाल

भूपेंद्र सिंह हुडडा

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुद्दे पर किसानों को फिर से आंदोलन के रास्ते पर देखना वास्तव में दुखद है। किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा एमएसपी की कानूनी गारंटी न दिये जाने के खिलाफ राष्ट्रव्यापी 'विश्वासघात सम्मेलन' और 31 जुलाई को देशभर में 'चक्का जाम' का आह्वान किया है। किसानों के साथ यह रवैया पीड़ादायक है। सरकार के वादे के बाद ही आंदोलनकारी किसान 18 महीने के लम्बे आंदोलन को खत्म करने पर सहमत हुए थे, जिसमें सरकार ने एमएसपी को कानूनी गारंटी के लिए एक कमेटी बनाने का लिखित आश्वासन दिया था पर सरकार ने उसे पूरा नहीं किया।

यूं तो हर साल सरकार 23 फसलों के लिए एमएसपी घोषित करती है लेकिन सरकारी एजेंसियां केवल 6 प्रतिशत किसानों से धान और गेहूं तक ही खरीद सीमित रखती हैं। देश के करीब 94 फीसदी किसानों को एमएसपी का फायदा नहीं मिल पाता है। किसानों के हितों पर सरकार का रुख ऐसा है कि पहले 10 मिलियन टन से अधिक गेहूं का अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात करवा दिया व फिर गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। निर्यात से किसानों को फायदा नहीं मिला बल्कि इसे चंद निर्यातकों ने हड़प लिया। गेहूं के निर्यात में हुई इस गड़बड़ी ने हमारे देश की खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। सरकार ने जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के गेहूं और चावल आवंटन के अनुपात को भी बदल दिया है। 10 राज्यों के गेहूं आवंटन में भारी कटौती की गई है। निर्यात के कारण केंद्रीय पूल में गेहूं का स्टॉक 2008 के स्तर से भी नीचे चला गया है, जो पिछले 15 वर्षों में सबसे कम है। पीडीएस के 80 करोड़ प्रत्यक्ष लाभार्थियों की ओर देखा जाए तो इस संकट के स्तर का अंदाजा लगता है। रबी सीजन 2021-22 के दौरान केंद्रीय पूल के लिए 43.34 मिलियन टन गेहूं की खरीद की गई थी। मौजूदा सीजन में 50 मिलियन टन खरीद के लक्ष्य के मुकाबले सिर्फ 18.73 मिलियन टन ही खरीद हुई। स्थानीय अनाज मंडियों में गेहूं की कीमतें 2075 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी से भी कम हो गई जबकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं की कीमतें 3500 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई थीं। मौजूदा खरीफ सीजन में किसानों को मूंग और मक्का का एमएसपी नहीं मिल रहा। एमएसपी की गणना सी2 फार्मूले के आधार पर और डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों

के अनुरूप होनी चाहिए। 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा भी जुमला साबित हो गया है। क्या अब किसानों के लिए तय सारे महान लक्ष्यों को अगले 25 वर्षों में पूरा किया जाएगा, जिसे सरकार 'अमृत काल' कह रही है। किसानों की आमदनी दोगुनी करने पर बनी सरकारी समिति की रिपोर्ट के अनुसार, 2015-16 में किसान परिवार की न्यूनतम आय 8,059 रुपये प्रति माह थी। मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए इसे वास्तविक रूप में दोगुना किया जाना था। ऐसे में 2022 तक हर किसान परिवार की आय कम से कम 21,146 रुपये प्रति माह होनी चाहिए थी। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के आंकड़ों के अनुसार 2018-19 में किसान परिवार की अनुमानित मासिक आय सिर्फ 10,218 रुपये प्रति माह ही थी। इसके उलट, पिछले कुछ वर्षों के दौरान डीजल, खाद, कीटनाशक जैसे कृषि इनपुट की लागत लगभग दोगुनी हो गई यानी किसान की आमदनी नहीं बल्कि खर्चा दोगुना हो गया है।

किसानों को इसलिए एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग करनी पड़ रही है क्योंकि एमएसपी के प्रति सरकारों की प्रतिबद्धता का अभाव है। यही कारण है कि किसानों की मांग जायज है और उसे हर वर्ग का समर्थन हासिल है। 2004 में गेहूं का एमएसपी 580 रुपये प्रति क्विंटल था जो 2014 तक बढ़कर 1,310 रुपये पहुंच गया, ये सालाना 12.2 प्रतिशत औसत वृद्धि थी जबकि भाजपा सरकार के आठ साल में गेहूं की एमएसपी में औसतन 5.5 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी हुई। वहीं यूपीए के 2004 से 2014 के कार्यकाल में धान के एमएसपी में 14 प्रतिशत की वृद्धि मौजूदा केंद्र सरकार के कार्यकाल में औसतन 6 प्रतिशत पर अटक गई। कृषि केवल एक व्यवसाय या आर्थिक गतिविधि नहीं है बल्कि देश की बड़ी आबादी के लिए जीवन जीने की एक पारंपरिक पद्धति है। यह खेत और फसलों से कहीं अधिक है। यह किसान परिवार की विरासत भी है और उनका भविष्य भी है। मेरा मानना है कि कृषि सुधार और नीतियां किसानों की सहमति से और किसान पर ही केंद्रित होनी चाहिए। कृषि उत्पाद खरीदने के लिए उपभोक्ता जितना भुगतान कर रहा है उसका कम से कम 50 प्रतिशत किसान को मिले, यह जरूरी है। इस मुद्दे को विस्तार से देखने के लिए इसके व्यापक अध्ययन की भी जरूरत है।

सौ शब्दों की 87 कहानियां

विनीत नारायण

आज की युवा पीढ़ी किताबें पढ़ना नहीं चाहती। हर वक्त स्मार्ट फोन या कम्प्यूटर के सामने गर्दन झुकाए जुटी रहती है। जिसका काफी बुरा असर आंखों, कंधों, गर्दन और दिमाग पर पड़ता है। वैसे तो हम सब भी इसी बुरी आदत के गुलाम बन चुके हैं। इस समस्या का एक सरल सा हल खोजा है, तीन पीढ़ी के तीन लेखकों ने। नाना, मां और बेटी ने मिलकर 'ड्रैबल्स' को भारत में साकार किया। आप पूछेंगे ये 'ड्रैबल्स' क्या बला है? यह 100 शब्दों में लिखी जाने वाली कहानी है जिसमें न एक शब्द ज्यादा हो सकता है न कम। 'ड्रैबल्स' लिखना चुनौती के साथ-साथ मजेदार भी होता है। 'ड्रैबल्स' पढ़ना खुशी देता है। कोई व्यक्ति जो कुछ हलका-फुलका और जल्दी खत्म होने वाला पढ़ना चाहता है, उसके लिए यह 'ड्रैबल्स' लेखन उत्तम विधा है। साहित्यिक दुनिया में यह एक नये प्रकार के लेखन की प्रणाली है जो अभी भारत देश में ज्यादा प्रचलित नहीं हुई है। वर्ष 1980 में यूनाइटेड किंगडम में इसकी शुरुआत हुई थी। यह 'माइक्रो- फिक्शन' कहानियां हैं जो केवल सौ शब्दों में लिखी जाती हैं। सौ शब्दों में ही कहानी के आदि, मध्य और अंत को रोचक बनाए रखना होता है।

2020-21 में कोरोना काल में जब हम सब अपने घरों में कैद थे और बाहर जाने को छटपटा रहे थे तब दुनिया में बहुत से लोगों ने कई अनूठे काम किए। ऐसे ही ये तीन लोग हैं, नाना बिशन सहाए, मां रुचि रंजन और बेटी इशिका रंजन, जिन्होंने 'हमारी दुनिया ड्रैबल्स की' नाम की एक पुस्तक लिखी जो आज भारत में लोकप्रियता के कारण खूब बिक रही है। इस संग्रह में जीवन के हर रंग और रस की 87 कहानियां हैं। कुछ हंसी की मजेदार हैं, कुछ विलक्षण और अव्यावहारिक और चंद साई-फाई के इर्द-गिर्द घूमती हैं। कुछ यादें कुरेदती हैं तो कुछ सहानभूति जगाती हम को इंसानियत की याद दिलाती हैं। कभी-कभी उन में जीवन की तरह से, उनका अंत नायाब और अप्रत्याशित होता है। सुंदर आकर्षित चित्रों से संवारी गई यह पुस्तक हिंदी के पाठकों के लिए एक नया व उत्तम तोहफा है।

सौ शब्दों की इन कहानियों के चार नमूने देखिए। 'लुका-छिपी' शीर्षक की यह कहानी यूं लिखी गई है- पलंग के नीचे, मेज के नीचे दरवाज़े के पीछे... मेरा परिवार आज लुका-छिपी खेल रहा था। सामाजिक दूरी और लॉकडाउन के कारण हमारा घूमना-फिरना कम हो गया था। वह कहीं तो होगा! दो मंजिलें घर में उसे ढूंढना मुश्किल था और वह हमारे कॉल करने पर भी जवाब नहीं दे रहा था। उसकी चुप्पी परेशानी को ज्यादा उलझा रही थी। पारे गरम थे। उसके बिना 'वर्क फ्रॉम होम' असंभव था। कोविड-19 में सब वर्चुअल होना था... क्लास हो या वेबिनार। थक कर मैं कद्दू मसाला लाते बनाने चली। जैसे ही प्याला प्लेट उठाने लगी। पीछे चुपचाप छिपा छिपाया पड़ा था... मेरा स्मार्ट फोन! इसी तरह एक और कहानी का लुत्फ उठाइए। इसका शीर्षक है 'ची-ची।' यह घटना चीनी क्रांति से पहले की है जब चीनी पश्चिमी रंग में रंग रहे थे और अंग्रेज कृपालु मगर नकचढ़े थे। लंदन के सरकारी रात्रिभोज में कुओमिंतांग के विदेश मंत्री डॉ. सूंग, अंग्रेज लॉर्ड के बगल में बैठे थे। लॉर्ड अनभिज्ञ थे कि वह अंग्रेजी के ज्ञाता हैं। अतः बात-चीत नहीं हुई। सूप के बाद अंग्रेज ने विनम्रता वश पूछा: लाइकी सूपी?' सूंग ने मुस्कुरा कर सिर हिला दिया। खाने के बाद, भाषणों के दौरान, डॉ. संग से बोलने का अनुरोध किया गया। भाषण उत्तम, फर्राटेदार अंग्रेजी में था। अंग्रेज सटपटा गया। बैठते ही सूंग ने उससे पूछा, लाइकी स्पीची?

मानवीय संवेदनाओं को छूती इस कहानी 'चाहत' को पढ़िए - पानी भरने के लिए लम्बी कतार, सार्वजनिक टॉयलेट के सामने झगड़ा, सब्जियां काटती महिलाएं, इस दृश्य ने परिसर में कदम रखते ही मेरा अभिवादन किया। आश्रम में रहने वाली शांताबाई मेरे पास आई और फुसफुसाई, किसी को याद नहीं... आज मेरा जन्मदिन है। मैंने उसे गले लगाया और उसने मेरे हाथ कसकर पकड़ लिए। उसका झुर्रीदार चेहरा और आंखें चाहत से भरी थीं, जैसे किसी को खोज रही हों। मेरे मन को भांप कर बोली, मुझे अपने बेटे के फोन का इंतजार नहीं है, अब यही मेरा घर है। आंसू उसके गालों तक बहते रहे और वह मुझसे लिपट गई। आपमें से जो लोग कम्पनियों में नौकरी करते हैं, उन्हें कोरपोरेट कल्चर की ये कहानी पढ़कर मजा आ जाएगा। वैसे भी एक पुरानी कहावत है, 'घोड़े की पिछाड़ी और बॉस की अगाड़ी से हमेशा बच कर चलना चाहिए।' इस कहानी का शीर्षक है 'हुजूर जिंदाबाद!' - हमारी सीलोन की कम्पनी के अध्यक्ष सर सिरिल डि जोयसा से सभी सहयोगी डरते थे। एक सुबह मैंने देखा कि उनकी कंपनियों के सभी डायरेक्टरों की हंसी रुक नहीं रही थी। हुआ यूं कि सर सिरिल अपने बंगले से दनदनाते हुए निकले और चिल्लाये, मेरी चीजें क्यों छुई जाती हैं? मेरा चश्मा कहां गया? सब लोग उसे ढूंढने में लग गए, जब तक कि चश्मा उनकी तनी हुई भौंहों से लुढ़क कर नाक पर नहीं आ गया। ऐसा संभव नहीं था कि सबको वह लगा हुआ न दिखा हो, परंतु सर की बात काटने का साहस कौन करता? हुजूर जिंदाबाद! इसी बात को हमारे ब्रज में यूं कहते हैं, 'बग़ल में छोरा - नगर में ढिंढोरा।' क्यों यही होता है न आपकी भी कम्पनी में रोजाना? ऐसी ही 83 रोचक कहानियां रूपा पब्लिकेशंस द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक में और हैं जिसकी तारीफ करने वालों में सचिन तेंदुलकर, सानिया मिर्जा और शशि थरूर सहित तमाम अखबार भी शामिल हैं। बच्चों के लिए अंग्रेज़ी में रोचक उपन्यास लिखने वाले विश्व विख्यात लेखक रस्किन बॉड का कहना है कि यह लघु- कथाओं का मनमोहक संग्रह कोविड-19 से परेशान हुए लोगों के लिए है। हर मर्ज को दूर रखेगी, हर दिन एक ड्रैबल की खुराक।

इस पुस्तक के प्राक्कथन में लिखा है कि समुद्र के पानी का एक छोटा-सा चम्मच ही उसका डीएनए बता देता है। इसी प्रकार इंसान के शरीर का छोटा-सा बाल अथवा नाखून का टुकड़ा एवं किसी भी अंग का अंश मात्र पूरे शरीर के डीएनए का अनुक्रम हो जाता है। संक्षेप में यही सत्य है कि हमारे शरीर का सार तत्व लगभग अदृश्य अणु पर निर्भर करता है, जो कि विकसित होने पर जीवन की बड़ी से बड़ी कहानी बन जाता है। हिन्दुस्तान के वेदों, शास्त्रों और ग्रंथों में भरी सामग्री को आधुनिक विज्ञान अभी तक नहीं जान पाया है। हजारों साल पहले सुश्रुत ने प्लास्टिक सर्जरी में जिस सामग्री का प्रयोग किया था, उसका विवरण दिया था। केवल एक पंक्ति पढ़कर मुझमें पूरा ग्रंथ पढ़ने की इच्छा जागी। मुझे विश्वास है कि इस लेख को पढ़कर आपके भी मन में इस अनूठी किताब को खोजने और पढ़ने की इच्छा जागेगी क्योंकि तभी हम अपने बच्चों को कम्प्यूटर और स्मार्ट फोन से हटा कर एक बार फिर किताबों की दुनिया में लौटा पाएंगे। जो उनके बौद्धिक विकास के लिए बहुत जरूरी है।

डायबिटीज है तो खाएं ये फल

फल और सब्जियां का सभी की डाइट का हिस्सा होना जरूरी है, क्योंकि ये ज़रूरी विटामिन्स और खनीज का बड़ा स्त्रोत होते हैं। ये पोषक तत्व आपके शरीर को फिट और स्वस्थ रखते हैं। हालांकि हर कोई सभी फल और सब्जियों को नहीं खा सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सभी का शरीर और स्वास्थ्य एक तरह का नहीं है। लोग कई बीमारियों और स्थितियों से पीड़ित होते हैं। खासतौर पर डायबिटीज एक ऐसी स्थिति है, जिसमें एक व्यक्ति का ब्लड शुगर का स्तर बढ़ा रहता है। सही डाइट और लाइफस्टाइल की मदद से इसे कंट्रोल में रखा जाता है। एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं कि लोग सिर्फ वही चीजे खाएं जिनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम हो, ताकि ब्लड सुगर स्तर कम करने में मदद मिले।

ग्लाइसेमिक इंडेक्स क्या होता है?

ग्लाइसेमिक इंडेक्स ब्लड शुगर के स्तर पर खाने के प्रभाव का क्या असर को मापने का तरीका है। यह किसी फूड में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा की तुलना खाने पर ब्लड शुगर पर पड़ने वाले प्रभाव से करता है। हर फूड आइटम को ग्लाइसेमिक इंडेक्स स्कोर मिला हुआ है, जिन खाने की चीजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स स्कोर 55 से नीचे है, उन्हें कम लद्व का माना जाता है, वहीं, जिनका स्कोर 70 से ऊपर है, वे हाई रिस्क वाले फूड्स हुए यानी इन्हें खाना आपका ब्लड शुगर स्तर स्पाइक करता है। इसी तरह फलों को भी GI स्कोर दिया गया है। जिन फलों का स्कोर कम है, उन्हें डायबिटीज के मरीज से बेझिजक खा सकते हैं। तो आइए जानें कि डायबिटीज के मरीजों के लिए सबसे हेल्दी फल कौन-से हैं?

सेब

इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स 39 है। सेब को न सिर्फ डायबिटीज के मरीज बल्कि ले लोग भी खा सकते हैं, जो दूसरी बीमारियों से पीड़ित हैं।

खुबानी

इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स 32 है और ये विटामिन-ए, ई और कई दूसरे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

आलूबुखारा

इस फल का जीआई स्कोर है 40। आलूबुखारा जल्दी गल जाते हैं, यही वजह है कि यह बाजार में कम दिखते हैं। आप इनका सेवन ड्राई फॉर्म में भी कर सकते हैं।

अंगूर

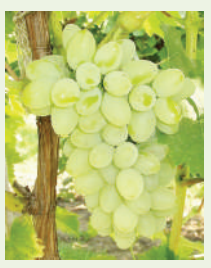

अंगूर का जीआई स्कोर 53 है और यह हेल्दी फाइबर प्रदान करते हैं। इसके अलावा अंगूर विटामिन बी-6 का भी एक अच्छा स्रोत है, जो दिमाग के काम और मूड हार्मोन को स्पोर्ट करते हैं।

नाशपाती

आप इस स्वाद से भरपूर और मीठे फल का पूरा आनंद उठा सकते हैं। नाशपाती का लद्व स्कोर 38 है। इन्हें छिलकों के साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।

चेरी

चेरी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 20 है। इसे डायबिटीज से पीड़ित लोग आराम से खा सकते हैं।

संतरे

इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स 40 है और संतरे विटामिन-सी और फाइबर के अच्छे स्त्रोत भी होते हैं।

स्ट्रॉबेरीज

इनका जीआई स्कोर 41 है, यानी मधुमेह के मरीज़ों के लिए इसे खाना सुरक्षित है। दिलचस्प बात यह है कि एक कप स्ट्रॉबेरीज में एक संतरे से ज्यादा विटामिन-सा होता है। इसके अलावा इनमें फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स की भी अच्छी मात्रा होती है।

हंसना मना है

टीटी ने चिंटू को प्लेटफॉर्म पर पकड़ लिया, टीटी- टिकट दिखा, चिंटू- अरे मैं ट्रेन में आया ही नहीं, टीटी- क्या सबूत है? चिंटू- अबे सबूत यही है कि मेरे पास टिकट नहीं है।

पत्नी- तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे थे पति- नहीं तुम्हें कोई गलतफहमी हुई है पत्नी-क्या गलतफलमी? पति- यही, कि मैं सो रहा था... तब से वाकई में पति की नींद गायब है...

एक बार दो चूहे के बच्चे बाइक पर जा रहे थे... रास्ते में उन्हें शेर का बच्चा मिला...उसने कहा मुझे भी बिठा लो कुछ सोचने के बाद चूहे ने कहा...देख ले, वरना बाद में तेरी मम्मी बोलेंगी गुंडों के साथ घूमता है

एक लड़की को देखा तो ऐसा...लगा दूसरी लड़की को देखा तो वैसा...लगा और जब दोनों ने गाल पर थप्पड़ मारे...तो एक जैसा लगा....

बेटा बाप से- पापा से साढू का रिश्ता क्या होता है बाप- बेटा जब दो आदमी एक ही कंपनी से ठगे जाते हैं तो साढू कहलाते हैं... तभी वहां मम्मी आ गई बस फिर क्या है तब से मम्मी गुस्से से लाल हैं....और पापा डर के मारे पीले।

पति (किताब पढ़ते हुए) - एक लेखक ने लिखा है कि पतियों को भी बोलने की आजादी होनी चाहिए...!!! पत्नी (हंसते हुए) - देखो वो भी बेचारा लिख ही पाया, बोल नहीं पाया...!!!

कहानी | अंगूठी चोर

महाराजा कृष्ण देव राय एक कीमती रत्न जड़ित अंगूठी पहना करते थे। जब भी वह दरबार में उपस्थित होते तो अक्सर उनकी नजर अपनी सुंदर अंगूठी पर जाकर टिक जाती थी। राजमहल में आने वाले मेहमानों और मंत्रीगणों से भी वह बार-बार अपनी उस अंगूठी का जिक्र किया करते थे। एक बार राजा कृष्ण देव राय उदास हो कर अपने सिंहासन पर बैठे थे। तभी तेनालीराम वहां आ पहुंचे। उन्होने राजा की उदासी का कारण पूछा। तब राजा ने बताया कि उनकी पसंदीदा अंगूठी खो गयी है, और उन्हें पक्का शक है कि उसे उनके बारह अंग रक्षकों में से किसी एक ने चुराया है। चूंकि राजा कृष्ण देव राय का सुरक्षा घेरा इतना चुस्त होता था की कोई चोर-उचक्का या सामान्य व्यक्ति उनके नजदीक नहीं जा सकता था। तेनालीराम ने तुरंत महाराज से कहा कि मैं अंगूठी चोर को बहुत जल्द पकड़ लूंगा। यह बात सुन कर राजा कृष्ण देव राय बहुत प्रसन्न हुए। उन्होने तुरंत अपने अंगरक्षकों को बुलवा लिया। तेनालीराम बोले, राजा की अंगूठी आप बारह अंगरक्षकों में से किसी एक ने की है। लेकिन मैं इसका पता बड़ी आसानी से लगा लूंगा। जो सच्चा है उसे डरने की कोई जरुरत नहीं और जो चोर है वह कठोर दंड भोगने के लिए तैयार हो जाए। तेनालीराम ने बोलना जारी रखा, आप सब मेरे साथ आइये हम सबको काली माँ के मंदिर जाना है। राजा बोले,ये कर रहे हो तेनालीराम हमें चोर का पता लगाना है मंदिर के दर्शन नहीं कराने हैं। महाराज, आप धैर्य रखिये जल्द ही चोर का पता चल जाएगा। तेनालीराम ने राजा को सब्र रखने को कहा। मंदिर पहुँच कर तेनालीराम पुजारी के पास गए और उन्हें कुछ निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने अंगरक्षकों से कहा,आप सबको बारी-बारी से मंदिर में जा कर माँ काली की मूर्ति के पैर छूने हैं और फौरन बाहर निकल आना है। ऐसा करने से मां काली आज रात स्वप्न में मुझे उस चोर का नाम बता देंगी। अब सारे अंगरक्षक बारी-बारी से मंदिर में जा कर माता के पैर छूने लगे। जैसे ही कोई अंगरक्षक पैर छू कर बाहर निकलता तेनालीराम उसका हाथ सूंघते आर एक कतार में खड़ा कर देते। कुछ ही देर में सभी अंगरक्षक एक कतार में खड़े हो गए। महाराज बोले, चोर का पता तो कल सुबह लगेगा, तब तक इनका क्या किया जाए? नहीं महाराज, चोर का पता तो ला चुका है। सातवें स्थान पर खड़ा अंगरक्षक ही चोर है। ऐसा सुनते ही वह अंगरक्षक भागने लगा, पर वहां मौजूद सिपाहियों ने उसे धर दबोचा और कारागार में डाल दिया। राजा और बाकी सभी लोग आशार्यचाकित थे कि तेनालीराम ने बिना स्वप्न देखे कैसे पता कर लिया कि चोर वही है। तेनालीराम सबकी जिज्ञासा शांत करते हुए बोले, मैंने पुजारी जी से कह कर काली मां के पैरों पर तेज सुगन्धित इत्र छिड़कवा दिया था। इस कारण जिसने भी माँ के पैर छुए उसके हाथ में वही सुगन्ध आ गयी। लेकिन जब मैंने सातवें अंगरक्षक के हाथ महके तो उनमे कोई खुशबू नहीं थी। उसने पकड़े जाने के डर से मां काली की मूर्ति के पैर छुए ही नहीं। इसलिए यह साबित हो गया कि उसी के मन में पाप था और वही चोर है। राजा कृष्ण देव राय एक बार फिर तेनालीराम की बुद्धिमत्ता के कायल हो गए और उन्हें स्वर्ण मुद्राओं से सम्मानित किया।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आपकी अधिकांश योजनाएं क्रियान्वित होंगी। आपका ध्यान केंद्रित रहेगा और परिश्रमी रहेंगे। योजनाओं को सफल बनाने के लिए आप सहकर्मियों का अधिकतम समर्थन पाने की कोशिश करेंगे।

वृषभ

दिन अच्छा रहेगा। आपके कई योजनाएं समय से पूरे हो जायेंगे। परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी सफलता मिलेगी।

मिथुन

कन्फ्यूजन की स्थिति से निपटने की कोशिश में आप सफल हो सकते हैं। धैर्य और कोशिश के बीच संतुलन रखेंगे, तो ज्यादातर समस्याएं सुलझ सकती है। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

कर्क

खुद को स्थापित करने का अच्छा समय है। बाधाएं और मुश्किलें आज कम आएगी। सोचने के बजाय अपने काम पर अधिक ध्यान केंद्रित करें और स्थितियां धीरे-धीरे आपके पक्ष में हो जाएंगी।

सिंह

आज सभी काम आपके मन-मुताबिक पूरे हो सकते हैं। जरूरत से ज्यादा एकाग्रता के कारण आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। मनोरंजन के मौके मिल सकते हैं। संतान से कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

कन्या

करियर में बदलाव के लिहाज से समय ठीक कहा जा सकता है। साफ और नपी-तुली बात करने से परेशानियों से बच सकते हैं। दोस्तों और रिश्तेदारों की मदद भी आपको मिल सकती हैं। धन लाभ के योग हैं।

तुला

आपको अपने जीवनसाथी या सहयोगियों का साथ आधे-अधूरे मन से मिलेगा। इसके कारण आप किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाएंगे। यह स्थिति आपको मानसिक उलझन और तनाव में डालेगी।

वृश्चिक

अधूरे काम पूरे हो सकते हैं। कुछ नए मौके आपको मिल सकते हैं। किसी के साथ मिल कर किये गए कामों से आपको बहुत हद तक सफलता मिलने के योग है। प्रेम-प्रसंग में आपको सफलता मिल सकती है।

धनु

मन की बात किसी से कहना चाह रहे है तो कह दें। आज आप हर चीज पर गौर से ध्यान दें। अपने मन की आवाज सुनने की कोशिश करें। आज आप किसी रहस्य को जानने की कोशिश में रहेंगे।

मकर

व्यावसायिक संदर्भ में अपने आप को साबित करने के लिए आज आपको कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता हो सकती है। वरिष्ठों को खुश करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

कुम्भ

दाम्पत्य संबंध मधुर होंगे। रोजमर्रा के कामों से आपको फायदा होगा। कारोबार में पैसा लगाने के बारे में सोच सकते हैं। आपको कई नये काम करने के मौके मिलेंगे, जिनमें आप सफल भी होंगे।

मीन

धन लाभ के बड़े मौके मिल सकते हैं। पैसों के क्षेत्र में भी अच्छा खासा सुधार होने के योग हैं। कुछ अवसरों का फायदा आपको मिल सकता है। अचानक धन लाभ हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

सोना नहीं मेरे पास हीरे की परख रखने वाले जौहरी का हुनर है : सुष्मिता सेन

सुष्मिता सेन और एक्स आईपीएल चेयरमैन ललित मोदी इन दिनों अपने रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बात की जानकारी खुद मोदी ने 14 जुलाई को सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया था। इसके बाद से दोनों को ही ट्रोल किया जा रहा है। इसके साथ ही सुष्मिता को लोग गोल्ड डिगर भी कहा, वहीं कुछ लोगों ने कहा कि सुष पैसों के लिए मोदी को डेट कर रही हैं। इन सब आरोपों के बीच सुष्मिता ने पोस्ट शेयर कर ट्रोलर्स को जवाब दिया है। सुष्मिता ने पोस्ट शेयर लिखा- पिछले कुछ दिनों से मुझे गोल्ड डिगर और दौलत की लालची कहा जा रहा। सोशल मीडिया में मुझे खूब ट्रोल भी किया जा रहा है। लेकिन मुझे इन ट्रोलर्स की बिल्कुल भी परवाह नहीं है। मेरे पास सोना नहीं हीरे की परख रखने वाले जौहरी का हुनर है। मैं सोना की जगह हीरे चुनना पसंद करती हूं और मैं अभी भी अपने लिए खरीद सकती हूं। कुछ बुद्धिजीवी मुझे गोल्ड डिगर कहते हैं, यह उनकी छोटी सोच को दर्शाती है। इन लोगों के अलावा मुझे मेरे फैंस और फैमिली का पूरा सपोर्ट है। मैं आपको यह भी बता दूं कि आपकी सुष एकदम ठीक है। मैं सूर्य की तरह हूं, जो अपने अस्तित्व और विवेक के लिए हमेशा चमकता रहता है। सुष्मिता के ललित मोदी के साथ रिलेशनशिप पर तसलीमा ने कहा, सुष अब बड़े खराब दिखने वाले व्यक्ति के साथ वक्त बिता रही हैं, जो कई क्राइम एक्टिविटीज में शामिल है। क्योंकि वो व्यक्ति बहुत अमीर है? तो क्या वो पैसे के लिए यह सब कर रही हैं? हो सकता है कि वो उस व्यक्ति से प्यार करती हों। लेकिन मुझे विश्वास नहीं है कि वो प्यार में हैं। जो लोग पैसे से प्यार करते हैं, उनके लिए मेरे दिल में इज्जत बहुत जल्दी कम हो जाती है।

हीरामंडी में संजय लीला भंसाली ने किया बदलाव

रेखा की जगह होंगी ऐश्वर्या राय बच्चन

बॉलीवुड | मसाला

संजय लीला भंसाली अपने ड्रीम प्रोजेक्ट हीरामंडी को लेकर इन दिनों काफी चर्चा में हैं। वह लंबे समय से इस प्रोजेक्ट पर काम करने की सोच रहे थे, हालांकि अब इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो चुका है। जहां पहले हीरामंडी को लेकर फिल्म बनाने की प्लानिंग थी वहीं अब यह एक वेब शो के रूप में नजर आएगी। इस सीरीज में कई बड़ी एक्ट्रेसेस के नाम को लेकर चर्चा रही है। पहले कहा था रहा था कि संजय लीला भंसाली अपनी इस सीरीज में गुजरे जमाने की मशहूर एक्ट्रेस रेखा को कास्ट करना चाह रहे थे, लेकिन अब शायद उनको लग रहा है कि रेखा को मनाना इतना आसान नहीं है। इसलिए अब संजय लीला भंसाली दूसरे विकल्प के बारे में प्लानिंग कर रहे हैं। भंसाली ने एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अब मेकर्स रेखा की जगह ऐश्वर्या राय के नाम पर भी विचार कर रहे हैं। फिल्म फितूर के डायरेक्टर अभिषेक कपूर ने भी इससे पहले रेखा को लेने के बारे में सोचा था, लेकिन आखिर में उनकी जगह तब्बू को लिया। ऐसे में भंसाली को भी लगता है कि लंबे समय से फिल्मी दुनिया से दूर रहीं रेखा को कास्ट कर पाना मुश्किल है। इसलिए वह अब रेखा का आइडिया छोड़कर ऐश्वर्या राय को हीरामंडी में साइन करने पर विचार कर रहे हैं।

शहनाज को संजय दत्त के साथ मिली दूसरी फिल्म

शहनाज गिल के फैन्स उनके बॉलिवुड डेब्यू का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वह सलमान खान की फिल्म कभी ईद कभी दिवाली से डेब्यू करने जा रही हैं। अब ऐसी चर्चा चल रही है कि शायद शहनाज को दूसरी फिल्म भी मिल गई है और उनकी यह दूसरी फिल्म संजय दत्त के साथ हो सकती है। दरअसल ऐसी चर्चा तब शुरू हुई जब रविवार को शहनाज गिल महबूब स्टूडियो के बाहर संजय दत्त के साथ नजर आईं। महबूब स्टूडियो के बाहर फोटोग्राफर्स को पोज देते हुए शहनाज गिल ने कहा कि वह संजू बाबा के साथ अमेरिका जा रही हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें शहनाज रेड कलर की ड्रेस में स्माइल करती नजर आ रही हैं। इसके बाद वह पपराजी से कहती हैं, मैं चली अमेरिका संजू बाबा के साथ। कई पंजाबी फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज में नजर आ चुकीं Shehnaaz Gill के बारे में चर्चा है कि Kabhi Eid Kabhi Diwali में वह सिंगर और एक्टर जस्सी गिल के साथ नजर आने वाली हैं।

अजब-गजब | नहीं जानते होंगे लाल कालीन से जुड़ा ये फैक्ट

खास मौकों पर क्यों बिछाई जाती है रेड कार्पेट?

आपने कई अवॉर्ड फंक्शन्स या शोज में रेड कार्पेट को बिछे देखा ही होगा। ज्यादातर रेड कार्पेट को सिनेमा जगत के लोगों से जोड़कर देखा जाता है। सेलिब्रिटीज रेड कार्पेट पर चलते हैं और शोज में एंट्री लेती हैं। वहीं उनसे उनकी ड्रेस के बारे में भी पूछा जाता है और बाकी की बातें भी की जाती हैं। कई ट्रेनों में भी रेड कार्पेट आजकल बिछा दी जाती है। मगर क्या आपने कभी सोचा है कि खास लोगों या मौकों पर रेड कलर की ही कार्पेट क्यों बिछाई जाती है, किसी और रंग की क्यों नहीं?

लाल रंग की कार्पेट का इस्तेमाल आज से नहीं, सदियों से खास मौकों के लिए हो रहा है। 458 बीसी में ग्रीक प्लेराइटर ईसकलस ने एक प्ले लिखा था जिसमें लाल रंग की कार्पेट का जिक्र किया था जो विजयी होकर लौटे एक राजा के लिए बिछाई जाती है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार 1993 में टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ग्रेगरी क्रेन ने एक लेख में इस बात का जिक्र किया था कि लाल कार्पेट को सदियों से राजाओं और राजशाही परिवारों के लिए बिछाने का रिवाज रहा है। मध्य काल के यूरोप में लाल कालीन का चलन इसलिए ज्यादा हुआ क्योंकि स्कार्लेट नाम की जिस डाई से ये कालीन बनती थी वो बेहद मंहगी मिलती थी। इसलिए इसे सिर्फ खास लोगों के लिए ही रखा गया था। तुर्की में लाल रंग काफी मेहनत से बनाया जाता रहा है। रूबिया पौधे की जड़ों को रंग के लिए इस्तेमाल किया जाता था और उसे भेड़ के मल, ऑलिव ऑयल और अन्य चीजों में मिलाया जाता था। इन सारी ही वजहों से लाल रंग की कालीन सिर्फ अमीरों के घर की शान हुआ करती थी। जब इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन हुआ तब ये कालीन काफी सस्ती मिलने लगी। रेड कार्पेट ट्रीटमेंट शब्द की शुरुआत एक ट्रेन से जोड़ी जाती है जो अमेरिका में 1902 से लेकर 1907 के बीच चलती थी। इस ट्रेन का नाम था 20th Century Limited जो न्यूयॉर्क से शिकागो तक चलती थी। यहां स्टेशन पर यात्रियों का स्वागत लाल कालीन पर ही किया जाता था जिससे उन्हें अमीरों वाला एहसास हो। साल 1922 में रेड कार्पेट ने हॉलीवुड में दस्तक दी। वहां से अन्य देशों की फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े अवॉर्ड फंक्शन में भी इसे इस्तेमाल किया जाने लगा।

आखिर क्यों झूठे होते हैं मगरमच्छ और घड़ियाल के आंसू? कहावत के पीछे है दिलचस्प वजह

हमने बचपन से तमाम ऐसे मुहावरे और कहावतें सुनी हैं, जिन्हें हम इस्तेमाल भी धड़ल्ले से करते हैं, लेकिन इसके पीछे की असल वजह नहीं जानते। कुछ ऐसी ही कहावतों में शुमार है। घड़ियाली आंसू बहाना। आखिर घड़ियाल और मगरमच्छ के आंसू में ऐसा क्या खास होता है, जो उन्हीं का नाम झूठे आंसू बहाने के लिए लिया जाता है? क्या वो हमेशा ही झूठे आंसू बहाते हैं या फिर कुछ और वजह है इस कहावत के पीछे। किसी को झूठे आंसुओं से भ्रमित करने के लिए घड़ियाली आंसू की कहावत का इस्तेमाल किया जाता है। यूं तो हर प्राणी दुखी होने पर आंखों से आंसू छलकाता है, लेकिन मगरमच्छ और घड़ियाल के आंसू कुछ ज्यादा ही मशहूर हैं। वैज्ञानिकों ने इसे लेकर रिसर्च भी की और इसमें कुछ बातें सामने आई, जो इस तथ्य को स्पष्ट करती हैं। अगर 'घड़ियाली आंसू' की कहावत है, तो इसके पीछे की खास वजह भी आज जान लीजिए। वैज्ञानिकों ने इंसान से लेकर जानवरों के आंसुओं पर रिसर्च किया, तो उन्हें पता चला कि सभी के आंसुओं में एक जैसे कैमिकल ही होते हैं और ये टियर डक्ट से बाहर आते हैं। एक खास ग्लैंड से आंसू निकलते हैं और इनमें मिनरल्स और प्रोटीन होते हैं। जहां तक बात मगरमच्छ के आंसुओं की है, तो साल 2006 में न्यूरोलॉजिस्ट D Malcolm Shaner और जूलॉजिस्ट Kent A Vliet ने अमेरिकन घड़ियालों पर रिसर्च की। उन्हें पानी से दूर सूखी जगह पर खाना दिया गया, तो उनकी आंखों से खाते वक्त आंसू निकलने लगे। उनकी आंखों से बुलबुले और आंसू की धार निकल पड़ी। बायो साइंस में इस स्टडी का परिणाम देखते हुए कहा गया कि मगरमच्छ वाकई खाते हुए आंखों से आंसू बहाते हैं, जो किसी भावना का परिणाम नहीं हैं। हालांकि आंसू घड़ियाल और मगरमच्छ दोनों ही खाना खाते वक्त बहाते हैं, लेकिन इन दोनों में थोड़ा फर्क होता है। घड़ियाल का मुंह जहां यू के आकार का होता है और जबड़ा चौड़ा होता है, वहीं मगरमच्छ का मुंह वी आकार का होता है।

सेना में जाति प्रमाण पत्र पर भड़के आप सांसद संजय सिंह, पूछा

अग्निवीर बनाना है या जातिवीर

» स्क्रीन शॉट शेयर कर लिखा, क्या दलितों, पिछड़ों को काबिल नहीं मानती है मोदी सरकार

» जदयू नेता भी उठा चुके हैं सवाल, अधिकारियों से मांगी थी सफाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अग्निपथ योजना को लेकर अब नया विवाद गरमा गया है। ताजा विवाद आवेदकों से जाति और धर्म प्रमाण पत्र मांगे जाने को लेकर है। इस पर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने मोदी सरकार को घेरा है। उन्होंने दावा किया है कि भारत के इतिहास में पहली बार सेना भर्ती में जाति पूछी जा रही है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, आपको अग्निवीर बनाना है या जातिवीर?

संजय सिंह ने अपने ट्विटर हैंडल पर सेना बहाली के जुड़ा एक स्क्रीन शॉट शेयर किया है। उन्होंने लिखा है, मोदी सरकार का घटिया चेहरा देश के सामने आ चुका है। क्या मोदी दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों को सेना भर्ती के काबिल नहीं मानते? भारत के इतिहास में पहली बार सेना भर्ती में जाति पूछी जा रही है। मोदी जी आपको अग्निवीर बनाना है या जातिवीर? इससे पहले बिहार जदयू नेता व संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने भी जाति प्रमाण पत्र मांगे जाने पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से इस पर स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा है, सेना की बहाली में जाति प्रमाण पत्र की क्या जरूरत है, जब इसमें आरक्षण का कोई प्रावधान ही नहीं है। अधिकारियों को स्पष्टीकरण देना चाहिए।

बिहार में हुआ था सबसे ज्यादा विरोध

सेना भर्ती के लिए अग्निपथ योजना का सबसे ज्यादा विरोध बिहार में ही हुआ था। मोदी सरकार ने हाल ही में इस योजना का ऐलान किया था। इसके तहत चार साल के लिए अग्निवीरों की भर्ती की जानी है। इसमें 25 प्रतिशत अग्निवीरों को ही स्थाई कॉडर में भर्ती किया जाएगा। वहीं 75 प्रतिशत अग्निवीरों को सेवा निधि लेकर सेवानिवृत्ति दे दी जाएगी। इस स्कीम की घोषणा के बाद बिहार में युवाओं ने आगजनी की थी।

हिमाचल में भूकंप के झटके, मंडी में डोली धरती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में आज सुबह भूकंप के हल्के झटके लगे। मंडी जिला के सुंदरनगर के पास भरजोहरू नामक स्थान पर सुबह 7 बजकर 53 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। किसी तरह के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.8 रही है।

धरती से 5 किमी नीचे भूकंप का केंद्र था और इस दौरान कुछ लोगों ने झटके महसूस किए। बता दें कि भूकंप को लेकर हिमाचल का चंबा, मंडी और शिमला सबसे संवेदनशील माने जाते हैं। ये जोन चार और पांच में शामिल हैं जबकि चंबा जिले में हिमाचल में सबसे अधिक भूकंप आते हैं। कांगड़ा में 1905 में बड़ा भूकंप आया था। दावा किया जाता है कि 20 हजार लोगों की जान गई थी। वहीं, 1975 में किन्नौर जिले में भी बड़ा भूकंप आया था।

गुटबाजी की वजह से कांग्रेस को वोट नहीं करते कांग्रेसी : हरीश रावत

» पूर्व मुख्यमंत्री ने हरिद्वार में कांग्रेसियों को लिया आड़े हाथ

» देश का माहौल खराब करने में तुली है भाजपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरिद्वार। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने हरिद्वार में कांग्रेसियों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि कुछ लोग चार साल, ग्यारह महीने कट्टर कांग्रेसी होते हैं लेकिन चुनाव के एक महीने में कांग्रेस के प्रत्याशी के लिए वोट नहीं करते।

उन्होंने कहा कि उस बैठक में कुछ ऐसे ही कांग्रेसी शामिल थे। हरिद्वार लोक सभा सीट पर अपनी दावेदारी से सीधे-सीधे टिप्पणी करने से बचते हुए उन्होंने कहा कि फिलवक्त उनके लिए पंचायत चुनाव महत्वपूर्ण है। उन्होंने केंद्र सरकार पर भी जमकर हमला बोला। हरीश रावत ने पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत का नाम लिए बिना कहा कि कुछ चेहरे भाजपा के मोहरे बन गए थे। वे लोकतंत्र की हत्या करने में भाजपा के साथ थे लेकिन कांग्रेस ने बड़ा दिल दिखाते हुए उन्हें फिर से अपनाया। फिलहाल मेरे लिए पंचायत चुनाव महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राष्ट्रीय नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ के विरोध में 21 जुलाई को देश भर में प्रत्येक मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन होगा। कांग्रेस भी 9 से 15 अगस्त तक देश में कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक पदयात्रा निकालेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार देश के माहौल को खराब करने पर तुली है। वह दिन दूर नहीं जब आम जनता को हवा पर भी जीएसटी का भुगतान करना पड़ेगा। उन्होंने कहा महंगाई के मुद्दे पर भी कांग्रेस जल्द व्यापक विरोध प्रदर्शन करेगी।

आजादी के अमृत महोत्सव पर निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में आजादी के अमृत महोत्सव की तैयारियां तेज हो गयी हैं। इसके तहत 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह मनाया जाना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलों के अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। पहले तय था कि प्रदेश में तीन करोड़ 18 लाख तिरंगे झंडे फहराए जाएंगे, लेकिन इसे बढ़ाकर 4.50 करोड़ कर दिया है।

सरकार ने 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा का विशेष अभियान चलाएगी। सभी आवासों, सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों और वाणिज्यिक-औद्योगिक इकाइयों, अन्य प्रतिष्ठानों, कार्यालयों पर ध्वजारोहण होगा। सभी अमृत सरोवरों पर झंडा फहराया जाए। अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए एनसीसी-एनएसएस व अन्य स्वयंसेवी संगठनों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली जाए। स्कूलों में स्लोगन व निबंध प्रतियोगिता कराई जाएगी। स्वतंत्रता सप्ताह में हर दिन स्कूली बच्चों की प्रभातफेरी निकाल कर आयोजन के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी।

पुलिस महानिदेशक से यूपी पुलिस की वेबसाइट पर ईमेल आईडी को ठीक कराने की मांग

» वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद हैदर रिजवी ने पुलिस महानिदेशक को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वरिष्ठ अधिवक्ता सय्यद मोहम्मद हैदर रिजवी ने उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर उत्तर प्रदेश पुलिस की वेबसाइट पर जनपद हरदोई के कुछ क्षेत्राधिकारियों द्वारा जारी त्रुटिपूर्ण ईमेल आईडी में संशोधन कर ठीक कराने की मांग की है।

वरिष्ठ अधिवक्ता सय्यद मोहम्मद हैदर रिजवी ने पत्र में लिखा है कि कुछ पुलिस प्राधिकारियों द्वारा जीमेल अकाउंट बनाकर पुलिस की वेबसाइट पर डाला गया है और इसे सोशल मीडिया के जरिए प्रचारित और प्रसारित किया गया ताकि जनता अपनी समस्याओं को इस ईमेल के जरिए बता सके। लेकिन उक्त आईडी या तो अधिकतर समय अवांछनीय मेल से भर जाने के कारण कार्य नहीं कर पाती है या अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा संचालित किए जाने या आईडी पर आने वाले ईमेल डिलीट किए जाने के संबंध में जानकारी न होने के कारण इस विसंगति का प्रत्यक्ष-परोक्ष प्रभाव शासन प्रणाली एवं सरकार की विश्वसनीयता पर पड़ता है। यह स्थिति केंद्र एवं राज्य सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक विभाग की नीतियों के विपरीत है। इसी क्रम में विभिन्न जनपदों में पुलिस अधिकारियों के द्वारा संचालित जीमेल एवं अन्य निजी ईमेल आईडी की जानकारी सूचना अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गयी थी। जनपद हरदोई के पुलिस अधिकारियों यथा क्षेत्राधिकारी हरपालपुर, शाहाबाद, बिलग्राम और हरियावां ने बताया कि उक्त ईमेल आईडी उनके और उनके कार्यालय द्वारा संचालित नहीं की जा रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस की वेबसाइट पर अद्यतन तिथि तक यही वस्तुस्थिति है। अत: इस त्रुटिपूर्ण जानकारी को उत्तर प्रदेश पुलिस की वेबसाइट से हटवा कर वास्तविक संचालित आईडी डलवाई जाए ताकि जनता भ्रमित न हो।

ईडी के डर से खामोश हैं मायावती!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव हो या हाल ही में हुए लोक सभा उपचुनाव बसपा सुप्रीमो मायावती सक्रिय नजर नहीं आई हैं। और अब उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को वोट दिया है। ऐसे में लगातार उनकी सियासत को लेकर सवाल उठने लगे हैं कि क्या मायावती भाजपा की बी टीम बन कर काम कर रही है। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सैयद कासिम, अजय शुक्ला, प्रो. लक्ष्मण यादव, दिल्ली विवि, प्रो. रविकांत, लखनऊ विवि और अभिषेक कुमार ने एक लंबी परिचर्चा की।

अजय शुक्ला ने कहा, कांशीराम एक मिशन के लिए लड़ रहे थे कि हमें दलितों के लिए कुछ करना है। इस मिशन में मुसलमान भी शामिल थे। वो मिशन काशीराम के बीमार पड़ते ही धीरे-धीरे खत्म होता चला गया। शुरूआती दौर में मायावती आईं तो उन्होंने उस मिशन को आगे ले जाने का काम किया मगर धीरे-धीरे उन्होंने भी मिशन पर पकड़ ढीली कर दी, इसी वजह से दलित समुदाय भी उनसे दूर होने लगा। डॉ. लक्ष्मण यादव ने कहा, बसपा कांशीराम की मेहनत है। कभी एक आंदोलन का नाम था बहुजन समाज पार्टी। लेकिन अब राजनीति बदल गई है। सपा और बसपा का गठबंधन भी टूटा इसी राजनीति में। कांशीराम कहते थे कि मैं अपनी शर्तों पर कुर्सी के लिए कुछ भी कर सकता हूं। वो कहते थे कि भाजपा के साथ जब सरकार बनाई तो हमने अपने एजेंडे पर काम किया, उनके एजेंडे पर नहीं। सैयद कासिम ने कहा कि मायावती कभी भारतीय जनता पार्टी के साथ नहीं रह सकती। मायावती जिस दिन घोषित रूप से भाजपा के साथ जाएगी, अभी तो ऐसे खत्म हुई है, आगे इस पर सोचिए कैसा होगा, जिस दिन अलायंस होगा उस दिन उनकी राजनीति भी पूरी तरह खत्म हो जाएगी। कांशीराम ने जिस मूवमेंट को तैयार किया था, मायावती को इसे बरकरार रहना होगा, तभी बसपा यूपी में आगे बढ़ पाएगी। प्रो. रविकांत ने कहा, मायावती भीतर ही भीतर सक्रिय है। अभी जो मायावती की कमजोरी है, आनंद कुमार जो है उनके भाई, उनकी संपत्ति है। विपक्ष के तमाम नेताओं पर ईडी का हमला हो रहा है, मायावती की खामोशी उस वजह से है। पर्दे से बाहर नहीं निकल कर आ रही है। दलित समाज या जो बहुजन तबका है वो इंतजार नहीं करता किसी मायावती का, अखिलेश का, उसके लिए जो ऑप्शन निकलेगा, उसी के साथ जाएगा।

बंगाल के गवर्नर होंगे नकवी! बीजेपी सांसद हंस ने दी बधाई फिर डिलीट किया ट्वीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। एनडीए की ओर से जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने के बाद अब उनकी जगह बंगाल के राज्यपाल पद की जिम्मेदारी किन्हें दी जाएगी, इसको लेकर कयासों का बाजार गर्म हो गया है। इस कड़ी में भाजपा सांसद ने पहले ही ट्वीट कर केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले मुख्तार अब्बास नकवी को बंगाल के नए राज्यपाल के रूप में बधाई दे दी। हालांकि कुछ ही देर में उन्होंने अपना ट्वीट डिलीट कर दिया लेकिन तब तक वह वायरल हो गया।

गौरतलब है कि बंगाल के पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ को एनडीए ने उपराष्ट्रपति चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाया है। फिलहाल मणिपुर के राज्यपाल ला गणेशन को बंगाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। बंगाल में राज्यपाल पद के लिए कई उम्मीदवारों के नाम की चर्चा है।

» अभी मणिपुर के राज्यपाल गणेशन के पास है बंगाल का अतिरिक्त प्रभार

इसमें मुख्तार अब्बास नकवी का नाम सबसे आगे चल रहा है। उन्होंने हाल ही में अल्पसंख्यक मामलों के कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। भाजपा सांसद हंसराज हंस ने ट्वीट कर कहा कि केंद्र सरकार द्वारा मुख्तार अब्बास नकवी को बंगाल का नया राज्यपाल बनाए जाने पर बधाई। हालांकि कुछ देर बाद ही हंसराज हंस ने ट्वीट को डिलीट कर दिया। बता दें कि बंगाल के राजनीतिक गलियारों में नए राज्यपाल को लेकर कई नामों पर चर्चाएं तेज है। इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी व केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से लेकर पिछले साल बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस से बिना इस्तीफा दिए भाजपा में शामिल होने वाले वरिष्ठ सांसद शिशिर अधिकारी तक के नाम की चर्चा है। संभावित राज्यपाल की सूची में पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद का भी नाम है। इसके अलावा भी लोग कई नामों पर कयास लगा रहे हैं। इस रेस में नकवी व खान का नाम सबसे आगे चल रहा है। हालांकि इससे पहले राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में भी कई नामों पर कयास लगाए जा रहे थे, जिसमें नकवी भी शामिल थे। लेकिन भाजपा नेतृत्व ने एनडीए के राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में पहले द्रौपदी मुर्मू और अब जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति प्रत्याशी बनाकर सबको चौंका दिया। ऐसे में अब देखने वाली बात है कि धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामांकन व राज्यपाल पद से इस्तीफे के बाद उनकी जगह किसे बंगाल का राज्यपाल बनाया जाता है।

लुलु मॉल नमाज विवाद पर सीएम योगी बोले-

कानून व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, कड़ाई से निपटेगा प्रशासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लुलु मॉल नमाज विवाद को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि काननू के साथ खिलवाड़ करने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के साथ कड़ी कार्रवाई करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि लखनऊ में एक मॉल खुला है। वो मॉल अपने व्यवसायिक प्रतिष्ठान को लेकर काम कर रहा है। उसको लेकर राजनीतिक का अड्डा बनाना, अनावश्यक बयानबाजी जारी करना और उसके नाम पर सड़कों पर प्रदर्शन करके लोगों के आवागमन को बाधित करना, यह सब गैरकानूनी है। उन्होंने कहा कि बार-बार लखनऊ प्रशासन द्वारा चेताने के बावजूद भी अराजकता पैदा करने और साम्प्रदायिक विद्वेष पैदा करने का जो कुत्सगित प्रयास किया जा रहा है, लखनऊ प्रशासन को इसे बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसी किसी भी शरारत को स्वीकार नहीं करना चाहिए। ऐसे तत्वों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। सीएम ने निर्देश दिए हैं कि यातायात बाधित कर सड़कों पर किसी प्रकार के धार्मिक क्रियाकलाप की अनुमति नहीं दी जाए। साथ ही धार्मिक जुलूसों या यात्राओं में किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन नहीं किया जाएगा। इसका उल्लंघन करने वालों पर पुलिस-प्रशासन कड़ी कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने मंडल, रेंज, जोन और जनपद में तैनात वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ कांवड़ यात्रा के सुगम व शांतिपूर्ण आयोजन, स्वतंत्रता सप्ताह के सफल आयोजन के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। सीएम ने कहा तहसीलों, प्राधिकरणों आदि जन हित से सीधे जुड़ाव रखने वाले कार्यालयों में हर दिन एक घंटे की अवधि जनसुनवाई के लिए नियत है।

अब ऑनलाइन प्रक्रिया से ही बनेंगे लर्निंग लाइसेंस: दयाशंकर सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनने की प्रक्रिया के फर्जीवाड़ा में लगाम लगेगी। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि प्रदेश में अब लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस आनलाइन प्रक्रिया से ही बनेंगे। उन्होंने बताया कि उनके तीन माह के कार्यकाल के दौरान परिवहन निगम ने मुनाफा कमाया है।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने आज अपने मंत्रालय के सौ दिन के काम का ब्यौरा पेश किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लर्निंग लाससेंस बनाने की प्रक्रिया को आसान कर दिया गया है। अब किसी को भी लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए आरटीओ कार्यालय की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए आधार नंबर के जरिए आनलाइन आवेदन करने के बाद घर बैठकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित आनलाइन टेस्ट पास करना होगा। परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस भी अब सिमुलेटर पर टेस्ट देने के बाद ही बनाए जाएंगे। यह व्यवस्था चरणवार ढंग से जिलों में लागू की जाएगी। सरकार ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया और आसान बना रही है। सरकार पीपीपी माडल पर हर जिले में आटोमेटिक ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक बनवा रही है। इसमें सिमुलेटर पर टेस्ट लिया जाएगा। कोई व्यक्ति ना तो किसी को पास कर पाएगा और ना ही फेल कर पाएगा। सारा काम कंप्यूटर के जरिए आटोमेटिक होगा।

फोटो: 4पीएम

प्रदर्शन राजधानी लखनऊ स्थित जवाहर भवन और इंदिरा भवन के खाद्य एवं रसद विभाग के इंस्पेक्टरों ने कार्यालय के सामने जमकर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने कंट्रोल ऑर्डर को पुन: लागू किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस ने कर्मचारियों को समझाने की कोशिश की लेकिन वे नहीं माने। इस बीच पुलिस और कर्मचारियों के बीच झड़प होने लगी। इस पर पुलिस ने कई कर्मचारियों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया।

यूपी में मंकी पॉक्स को लेकर अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत में मंकी पॉक्स दूसरा मामला मिलने के बाद इसे लेकर यूपी में एक बार फिर स्वास्थ्य महकमा अलर्ट पर है। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा है कि जिला अस्पतालों में निगरानी की जा रही है। हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों की भी निगरानी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। बता दें कि इसके पहले मई और जून महीने में भी यूपी सरकार ने मंकी पॉक्स को लेकर अलर्ट जारी किया था। डब्ल्यूएचओ ने भी इसे लेकर चेतावनी जारी की है। बताया जा रहा है कि अभी तक 29 देशों में मंकी पॉक्स के एक हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। बृजेश पाठक के मुताबिक यूपी में स्वास्थ्य विभाग बीमारी से लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। जिला अस्पतालों में निगरानी की जा रही है।

आम आदमी पार्टी की महिला विंग की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» 15 जिलों में जिलाध्यक्ष व चार महानगर अध्यक्ष बनाए गए

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के सांगठनिक ढांचे को मजबूत करते हुए महिला विंग की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। आप विंग की प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव ने 15 जिलों में अध्यक्षों के साथ ही 4 महानगरों के भी अध्यक्षों की घोषणा की है। साथ ही वाराणसी की रेखा जायसवाल को प्रदेश महासिचव बनाया है।

नई सूची में प्रीति उपाध्याय, नर्गिस खां, निशा निगम, दीप्ति वर्मा, सुल्ताना हनीफ, सुशीला वर्मा को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया। शिवाली मिश्रा, निरमेश त्यागी, महजबी फारूकी, ऊषा राय, रश्मि पांडेय, मंजू गौतम, जसमीत कौर, राजकुमारी यादव, पुष्पा सिंह, रीता सिंह प्रदेश सचिव बनाया गया है। इसके अतिरिक्त 15 महिला जिलाध्यक्ष भी बनाई गई हैं, जिसमें नीतू को अलीगढ़, ज्योत्सना गोयल को उन्नाव, पिंकी यादव को कन्नौज, शशिबाला दूबे को गोरखपुर, रंजना अग्रवाल को जालौन, अनिती मिश्रा को जौनपुर, सरोज श्रीवास्तव को प्रतापगढ़, सुधा सिंह को बुलंदशहर, गजाला सिद्दकी को मुज्जफरनगर, अमिता मौर्या को मऊ, पूजा तिवारी को संभल, हरिबाई राजपूत को ललितपुर, अर्चना गुप्ता को हमीरपुर, तारा यादव को शाहजहांपुर और सुमन विश्वकर्मा को चित्रकूट का महिला जिलाध्यक्ष बनाया गया है। पल्लवी को प्रयागराज, शाहीन को अलीगढ़, शारदा टंडन को वाराणसी और वसुधा को शाहजहांपुर का महानगर अध्यक्ष बनाया गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।